भजन

तर्ज–श्याम तेरी बंसी पुकारे

हुकम इलम से हुआ रूहों का काम,
पिया जी के इश्क की हुई पहचान
रहते हैं साथ सदा दिल से अन्जान,
दिल के सब अंगों की हुई पहचान

1– जमुना किनारे हम स्याम स्यामा से,
कई सुख लेते हम सातों घाट के
इश्क में रहते हम सदा आठों जाम,
पिया जी...
2– कुंजवन की गलियों में रमती हम सैंयन,
कहाँ गए सुख जहाँ झूलें पिया संग सैंया
याद आए सुख तो मिल जाए आराम
पिया जी...
3– रंग मोहोल सुख लेते नवों भोम के,
सुख पाते जहाँ पिया जी की मीठी जुबान के
रस भरी रसना से बोलें जब सुभान
पिया जी